RPSC ACF And Forest Range Officer VETERINARY SCIENCE Syllabus 2022

Introduction:-

हमारे द्वारा Rajasthan Public Service Commission (RPSC) ACF And Forest Range Officer भर्ती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई अगर आप राजस्थान RPSC ACF And Forest Range Officer परीक्षा की तैयारी कर रहे हो तो पोस्ट आपके लिए अति महत्वपूर्ण है इस आर्टिकल में RPSC RPSC ACF And Forest Range Officer के सिलेबस के बारे में जानकारी दी गई है साथ ही आप अपने सब्जेक्ट के अनुसार नीचे दी गई लिंक के द्वारा PDF डाउनलोड कर सकते है वे उम्मीदवार जिन्होंने इसका ऑनलाइन आवेदन किया है उनके लिए निवनतम एग्जाम पैटर्न दिया गया है जो आपके लिए तैयारी करने में काम आएगा।

NAME OF SELECTION BOARD	Rajasthan Public Service Commission
POSTS NAME	RPSC ACF And Forest Range Officer
OFFICIAL WEBSITE	Rpsc.rajasthan.gov.in/
Category	Latest Syllabus
EXAM DATE	Coming soon

RPSC ACF And Forest Range Officer Exam Pattern:-

Paper	Subjects	Question Number	Marks
1	General Knowledge	100	100
2	General English	100	100
3	OPTIONAL SUBJECT - I	120	200
4	OPTIONAL SUBJECT - II	120	200

5	Interview		75

RPSC ACF And Forest Range Officer VETERINARY SCIENCE Syllabus 2021 Topc Wise

OPTIONAL SUBJECT - VETERINARY SCIENCE

यूनिट- 1

- पशु चिकित्सा शरीर रचना विज्ञान और ऊतक विज्ञान
- हड्डी का अध्ययन और वर्गीकरण, कंकालों का वर्गीकरण, जोड़ों का वर्गीकरण, जोड़ों की संरचना और गति, मांसपेशियों का वर्गीकरण, टेंडन का विवरण और स्नायुबंधन, परिचय, हृदय की संरचना, फुफ्फुसीय और प्रणालीगत परिसंचरण, लसीका और शिरापरक प्रणाली।
- केंद्रीय, परिधीय और स्वायत्त तंत्रिका तंत्र।
- समझ अंग, मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी, अस्थि मज्जा और मस्तिष्कमेरु द्रव, परिचय, पाचन, श्वसन, मूत्र, अंतःस्रावी, पुरुष और के विभिन्न अंगों की स्थलाकृति जानवरों की मादा प्रजनन प्रणाली।

यूनिट- 2

- पशु चिकित्सा शरीर क्रिया विज्ञान और जैव रसायन
- रक्त के गुण, चयापचय और शारीरिक कार्य, हृदय, हृदय चक्र, संचार नियंत्रण, रक्तचाप, मांसपेशियों के कार्यों का परिचय और तंत्र, थकान की घटना, संरचना और न्यूरॉन्स के प्रकार, तंत्रिका क्रिया क्षमता, कार्य तंत्रिका तंत्र, कार्यात्मक आकृति विज्ञान और आंख और कान के शरीर क्रिया विज्ञान, पाचन, पशुओं में कार्बोहाइड्रेट,
- वसा और प्रोटीन का अवशोषण और चयापचय, उत्सर्जन और एंडोक्राइन फिजियोलॉजी, रिप्रोडक्शन, ग्रोथ एंड एनवायरनमेंटल फिजियोलॉजी,
- स्कोप और जैव रसायन, मध्यस्थ चयापचय और विश्लेषणात्मक जैव रसायन का महत्व।

यूनिट- 3

- पशुधन उत्पादन और प्रबंधन
- राजस्थान के विशेष संदर्भ में पशुधन और पशुओं का

- जनसांख्यिकीय वितरण,राजस्थान में पशुधन एवं कुक्कुट की नस्लें, चारा उत्पादन एवं संरक्षण।
- विभिन्न प्रकार के चरागाह और घास के मैदान, उनका प्रबंधन और चारे का संरक्षण, चिड़ियाघर पशु उत्पादन और प्रबंधन और पशु कल्याण: जंगली और चिड़ियाघर का वर्गीकरण पशु, वन्यजीवों की स्थिति और संरक्षण प्रथाएं, सामान्य पशुधन उत्पादन और प्रबंधन, कुक्कुट उत्पादन और प्रबंधन।

यूनिट- 4

- पशु आनुवंशिकी और प्रजनन
- पशु और जनसंख्या के सिद्धांत आनुवंशिकी, पशु प्रजनन के सिद्धांत, का अवलोकन मेंडेलियन सिद्धांत, साइटोजेनेटिक्स, जीन और जीनोटाइपिक आवृत्तियों को बदलने वाले बल, मात्रात्मक और गुणात्मक आनुवंशिकी,
- सहसंबंध की अवधारणा और के बीच बातचीत जीनोटाइप और पर्यावरण, आनुवंशिकता, दोहराव, आनुवंशिक और फेनोटाइपिक सहसंबंध।

यूनिट-5

- पशु पोषण पशु उत्पादन और स्वास्थ्य की तुलना में पोषक तत्व। में खनिजों और विटामिनों का महत्व स्वास्थ्य और उत्पादन, पशुओं के लिए वर्गीकरण और पोषण संबंधी महत्व, का प्रसंस्करण सांद्र और रौगेज, पोषण-विरोधी कारक, फ़ीड एडिटिव्स और जानवरों में उनकी भूमिका पोषण, आहार मानक, उनका उपयोग और महत्व, संतुलित राशन और उसका गुण,
- विभिन्न जुगाली करने वालों के लिए रखरखाव और उत्पादन के लिए पोषक तत्वों की आवश्यकताएं,जुगाली करने वाले पशुओं के लिए राशन की गणना।
- चयापचय संबंधी विकार और पोषण हस्तक्षेप, पक्षियों, घोड़ों और सूअर की पोषक तत्वों की आवश्यकताएं।
- राशन का निर्माण पोल्ट्री और मोनोजेस्ट्रिक जानवरों के लिए बीआईएस और आईसीएआर विनिर्देशों के अनुसार।
- पोषक तत्व कुत्तों और बिल्लियों की आवश्यकताएं और भोजन, जंगली जानवरों और पक्षियों को खिलाना कैद, चयापचय संबंधी विकार और पोषण संबंधी हस्तक्षेप।

यूनिट-6

- पशु चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञानविभिन्न जीवाणुओं का वर्गीकरण, नामकरण, सूक्ष्मदर्शी और सूक्ष्ममापी, महत्वपूर्ण रोगजनकों के कारण होने वाले जीवाणु रोगों का रोगजनन, निदान और नियंत्रण बैक्टीरिया, सामान्य और प्रणालीगत पशु चिकित्सा विषाणु विज्ञान,

- वायरस की संरचना और वर्गीकरण, वायरल रोगजनन, ऑन्कोजेनेसिस और वायरस के इम्यूनोपैथोलॉजी, सामान्य पर अध्ययन गुण, प्रतिजन, रोगजनन, नैदानिक लक्षण, निदान, रोकथाम और नियंत्रण डीएनए और आरएनए वायरस, लिम्फोइड अंगों, ऊतक और कोशिकाओं के कारण होने वाले रोग, के प्रकार प्रतिरक्षा,
- मिटोजेन और प्रतिरक्षा को प्रभावित करने वाले कारक।
- एंटीबॉडी के सिद्धांत उत्पादन, प्रतिजन प्रसंस्करण और प्रस्तुति, पूरक प्रणाली, ऑटो प्रतिरक्षा औरप्रतिरक्षण क्षमता, परिचय, वर्गीकरण और कवक के गुण।
- महामारी विज्ञान,पशुओं के महत्वपूर्ण कवक रोगों का रोगजनन, निदान और नियंत्रण।

यूनिट- 7-

- पशु चिकित्सा विकृति
- एटियलजि, अध: पतन, परिगलन, संचार संबंधी गड़बड़ी, विकास में गड़बड़ी, सूजन, घाव भरने और इम्यूनोपैथोलॉजी, पैथोलॉजिकल परिवर्तन प्रभावित करने वाले जानवरों के शरीर की विभिन्न प्रणालियाँ, नियोप्लाज्म के लक्षण और वर्गीकरण, पशुओं में विभिन्न प्रकार के ट्यूमर की विकृति विज्ञान, रुधिर विज्ञान और मूत्र विश्लेषण, बायोप्सी और एक्सफ़ोलीएटिव साइटोलॉजी,
- जानवरों की विभिन्न प्रजातियों की नेक्रोप्सी परीक्षा, पशु चिकित्सा परिगलन, घरेलू के संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों की विकृति और जंगली जानवर और पक्षी।

यूनिट-8

- पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञानपरजीवी के प्रकार और उनके मानक नामकरण, परजीवी के खिलाफ प्रतिरक्षा संक्रमण, वर्गीकरण, आकारिकी, जीवन-चक्र और विभिन्न प्रकार के रोगों के कारण जानवरों और पक्षियों में कंपकंपी, सेस्टोड और नेमाटोड।
- उनकी रोकथाम और नियंत्रण,वर्गीकरण, आकृति विज्ञान, जीवन-चक्र और विभिन्न आर्थ्रोपोड्स के कारण होने वाले रोग और जानवरों और पक्षियों में प्रोटोजोआ परजीवी।
- उनकी रोकथाम और नियंत्रण।

यूनिट- 9

- पशु चिकित्सा औषध विज्ञान और विष विज्ञान

- सामान्य औषध विज्ञान, दवाओं के स्रोत और प्रकृति, फार्माकोकाइनेटिक्स और फार्माकोडायनामिक्स, ड्रग इंटरेक्शन, ऑटोनोमिक नर्वस सिस्टम पर अभिनय करने वाली दवाएं, सेंट्रल तंत्रिका तंत्र और विभिन्न शरीर प्रणालियों पर काम करने वाली दवाएं, पशु चिकित्सा कीमोथेरेपी, कीमोथेरेपी,
- रोगाणुरोधी एजेंटों, विविध एजेंटों, एंटिफंगल का परिचय एजेंट, कृमिनाशक, जानवरों में नशीली दवाओं का दुरुपयोग, परिचय, मूल बातें और का दायरा विष विज्ञान, धातुओं, अधातुओं, जहरीले पौधों,
- कृषि रसायनों के कारण होने वाली विषाक्तता,कवक और जीवाणु विषाक्त पदार्थ और विषैले काटने और डंक।

यूनिट-10

- पशु चिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य और महामारी विज्ञान सार्वजनिक स्वास्थ्य में पशु चिकित्सकों की भूमिका, सिद्धांत और खाद्य स्वच्छता और सुरक्षा की अवधारणा।
- दुग्ध स्वच्छता और मांस स्वच्छता- अवधारणा और प्रथाएं, खाद्य जनित संक्रमण और पशु मूल के खाद्य पदार्थों से जुड़े नशा।
- खाद्य सुरक्षा और मानक, अधिनियम और विनियम।
- पशु चिकित्सा महामारी विज्ञान: महामारी विज्ञान के घटक और उद्देश्य, पशु रोग पूर्वानुमान और रोग प्रबंधन की रणनीतियाँ: रोकथाम नियंत्रण और जैव सुरक्षा, जूनोज का वर्गीकरण, उभरता हुआ, फिर से उभरता हुआ और व्यावसायिक ज़ूनोज जूनोज के संचरण में घरेलू, पालतू और जंगली जानवरोऔर पक्षियों की भूमिका।
- महामारी विज्ञान, नैदानिक अभिव्यक्तियाँ और विभिन्न महत्वपूर्ण जूनोटिक का प्रबंधन रोग।
- पर्यावरण स्वच्छता।

यूनिट-11

- पशु चिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी सर्जरी का परिचय और वर्गीकरण, नसबंदी और कीटाणुशोधन, टांके,
- विभिन्न बुनियादी शल्य रोगों का निदान और उपचार।
- शल्य चिकित्सा का प्रबंधन सदमे और द्रव चिकित्सा की अवधारणा, पशु चिकित्सा एनेस्थिसियोलॉजी, विकास, संज्ञाहरण की शब्दावली, वर्गीकरण और संकेत।
- संवेदनाहारी आपात स्थिति और प्रबंधन, विषाक्तता, मारक और उत्क्रमण एजेंट, सामान्य शब्दावली, एक्स-रे, इसके विपरीत रेडियोग्राफी, उन्नत नैदानिक इमेजिंग उपकरण- कैट स्कैनिंग, एमआरआई आदि,

- क्षेत्रीय जानवरों की विभिन्न प्रजातियों के शरीर के विभिन्न अंगों और प्रणालियों की सर्जरी,लंगड़ापन का वर्गीकरण और निदान, चिकित्सा के तरीके, फ्रैक्चर और तकनीक फ्रैक्चर का स्थिरीकरण और उनका प्रबंधन। का पुनर्वास और फिजियोथेरेपी हड्डी रोग रोगी।

यूनिट- 12

- पशु चिकित्सा पशु रोगों की अवधारणा, निदान, विभेदक निदान, उपचार और रोग का निदान रोग, एटियलजि, निदान, उपचार, रोकथाम और विभिन्न प्रणालीगत का नियंत्रण पशु और पक्षियों के रोग, पशु और पक्षियों में चयापचय और कमी रोग,
- बैक्टीरियल, वायरल, फंगल और परजीवी रोग: एटियलजि, महामारी विज्ञान, नैदानिक अभिव्यक्तियाँ, निदान, उपचार, रोकथाम और नियंत्रण, पशु चिकित्सा न्यायशास्त्र, नैतिकता और पशु कल्याण।

यूनिट-13

- पशु चिकित्सा प्रसूति और स्त्री रोग एप्लाइड एनाटॉमी एंड एम्ब्रियोलॉजी ऑफ फीमेल रिप्रोडक्टिव ट्रैक्ट, ऑस्ट्रस साइकिल, एबेरेशन्स ओव्यूलेशन, निषेचन, जानवरों की विभिन्न प्रजातियों में बांझपन, एकाधिक ओव्यूलेशन और भ्रूण स्थानांतरण
- प्रौद्योगिकी, इनविट्रो निषेचन, खेत और पालतू जानवरों में पशु चिकित्सा प्रसूति;पशु, गर्भावस्था निदान, गर्भपात, डिस्टोसिया, प्रसूति संबंधी हस्तक्षेप, पशु चिकित्सा एंड्रोलॉजी और कृत्रिम गर्भाधान तकनीक।

नोट :- प्रश्न पत्र का पैटर्न

1. वस्तुनिष्ठ प्रकार का पेपर
2. अधिकतम अंक : 200
3. प्रश्नों की संख्या : 120
4. पेपर की अवधि : तीन घंटे
5. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

6. निगेटिव मार्किंग होगी।

RPSC ACF And Forest Range Officer Syllabus 2021 Subject Wise

GENERAL KNOWLEDGE
GENERAL ENGLISH
ELECTRICAL ENGINEERING
COMPUTER ENGINEERING
CHEMISTRY
COMPUTER APPLICATION/SCIENCE
ELECTRONICS ENGINEERING
AGRICULTURAL ENGINEERING
ENVIRONMENTAL SCIENCE
BOTANY
GEOLOGY
ZOOLOGY
PHYSICS
AGRICULTURE
STATISTICS
MATHEMATICS
HORTICULTURE
MECHANICAL ENGINEERING
CIVIL ENGINEERING
FORESTRY
CHEMICAL ENGINEERING
VETERINARY SCIENCE

IMPORTANT LINKS
RPSC ACF And Forest Range Officer Syllabus PDF
Official Website

इस नोटिफिकेशन से सबंधित कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न:-

1. *RPSC ACF And Forest Range Officer कितने अंको का होता है?*

उत्तर: 675

2. *RPSC ACF And Forest Range Officer पेपर में कितने प्रश्न आते है?*

उत्तर: 440

3. *RPSC ACF And Forest Range Officer पेपर में कितना समय मिलता है?*

उत्तर: इस नोटिफिकेशन में आप देख सकते हो।

4. *RPSC ACF And Forest Range Officer Syllabus in hindi. ?*

उत्तर: इस नोटिफिकेशन में आप देख सकते हो।

शिक्षा जगत की लेटेस्ट अपडेट पाने के लिए हमारे टेलीग्राम चैनल को सब्सक्राइब करें

Telegram Channel Link

https://t.me/helpstudentpoint

Visit Our Website

www.HelpStudentPoint.com

Download Our Mobile App

https://bit.ly/appshsp